मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 228, मुंबई, शुक्रवार, 29 अक्टूबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

मलिक का NCB पर प्रहार

आर्यन की जमानत पर मंत्री नवाब मलिक ने कहा-पिक्चर अभी बाकी है, जेल में डालने वाला, अब जेल जाने से डर रहा

मुंबई। क्रूज ड्रग्स केस में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत मंजूर हो जाने के बाद NCP प्रवक्ता और नेता नवाब मलिक ने सोशल मीडिया में अपनी प्रतिक्रिया दी है। मलिक ने सोशल मीडिया में शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' का एक डायलॉग 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त' पोस्ट किया। मलिक शुरू से ही इस मामले में केस को लीड कर रहे समीर वानखेड़े के खिलाफ हमलावर रहे हैं। वे इस केस को फर्जी और क्रिएट किया हुआ बता रहे हैं। नवाब मलिक ने इस केस पर कहा, आर्यन खान का मामला फर्जी बनाया गया। आर्यन को पहले ही बेल मिल जानी चाहिए थी। वानखेड़े का फजीर्वाड़ा सामने आ रहा है। वानखेड़े को छुट्टी पर भेज देना चाहिए। समीर वानखेड़े के चेहरे से नकाब उतर गया है। मलिक ने एक बयान में कहा,'जिस तरह का फर्जी मामला बनाया गया, ऐसे में पहले ही किला कोर्ट में उनकी जमानत हो सकती थी। लेकिन हमेशा अपने वकीलों के जरिये NCB ने अपनी भूमिका बदली है। हमें लगता है कि यह मामला 'फर्जी' है और आने वाले समय में इस केस से जुड़े अन्य आरोपियों को भी जमानत मिल जायेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दिल्ली पुलिस सब इंस्पेक्टर के घर CBI का छापा

कार से 5.47 लाख और घर से 1.12 करोड़ कैश बरामद

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार दिल्ली पुलिस उपनिरीक्षक के आवास पर छापे के दौरान 1.12 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मैदान गढ़ी थाने में तैनात भोजराज सिंह को बुधवार को 50 हजार रुपये की कथित रूप से रिश्वत लेते पकड़ा गया था। सीबीआई प्रवक्ता आर सी जोशी ने बताया, मैदान गढ़ी पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक के खिलाफ शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया था जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि उसने शिकायतकर्ता और उसके दोस्त को पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में सहयोग करने और जमानत याचिकाओं का विरोध नहीं करने के लिए शुरू में पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी और बाद में गत 27 अक्टूबर को कम से कम दो लाख रुपये देने को कहा था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपों की पुष्टि के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और कथित तौर पर रिश्वत लेते हुए सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जोशी ने कहा, गिरफ्तार आरोपी को गुरुवार को दिल्ली की संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा।

सीएम ने की बीडीडी चाल की प्रस्तावित परियोजना की समीक्षा

मुंबई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि पुलिस बल को मजबूत करने और पुलिस स्टेशन को सभी सुविधाओं से युक्त आवास और आधुनिक प्रशासनिक भवन उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्राथमिकता के साथ प्रयास कर रही है, इसके साथ महाराष्ट्र राज्य पुलिस आवास एवं कल्याण महामंडल के माध्यम से विभिन्न जिलों में चल रही सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। मंगलवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पुलिस विभाग के उत्थान को लेकर आयोजित बैठक में वे बोल रहे थे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई। क्रूज ड्रग्स केस में मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद आर्यन खान को गिरफ्तारी के 26वें दिन हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। 2 नवंबर को उनके पिता शाहरुख खान का जन्मदिन है।

आर्यन की होगी रिहाई शाहरुख के बंगले मन्नत के बाहर फोड़े गए पटाखे जमानत मिलने पर 7 दिन पहले मनी दीवाली

इसलिए कोर्ट के आदेश को शाहरुख के लिए एडवांस बर्थडे गिफ्ट माना जा सकता है। वे अब बेटे आर्यन के साथ बर्थडे मना पाएंगे। कोर्ट ने आर्यन के अलावा मुनमुन धमीचा और अरबाज मर्चेंट को भी जमानत दे दी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

परमबीर सिंह पर जबरन उगाही का आरोप

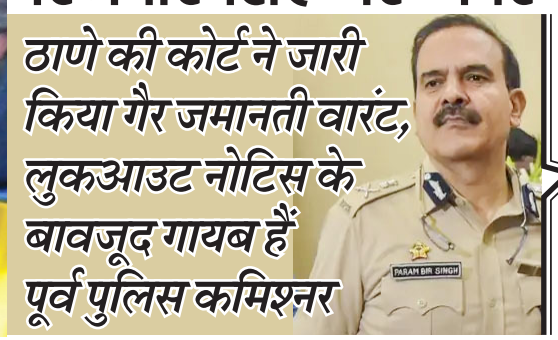

ठाणे की कोर्ट ने जारी किया गैर जमानती वारंट, लुकआउट नोटिस के बावजूद गायब हैं पूर्व पुलिस कमिश्नर

मुंबई। कई दिनों से गायब चल रहे मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को बड़ा झटका लगा है। ठाणे की कोर्ट ने ठाणे पुलिस की अर्जी पर इनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। परमबीर के खिलाफ ऐसी ही एक और याचिका मुंबई पुलिस ने किला कोर्ट में दायर की है, इस पर 29 अक्टूबर को सुनवाई होनी है। परमबीर के खिलाफ चांदीवाल कमीशन ने भी जमानती वारंट जारी किया है। ठाणे पुलिस ने परमबीर सिंह के खिलाफ हाल ही में लुकआउट नोटिस जारी किया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पेगासस में जांच

पेगासस मामले में देश की सर्वोच्च अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है। अदालत ने इस मामले में स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना जो फैसला सुनाया है, वह कतई नहीं चौंकाता। मामले को अंजाम तक पहुंचाने के लिए अदालत के पास शायद यही सबसे बेहतर विकल्प था। अब इस सनसनीखेज मामले की जांच एक्सपर्ट कमेटी करेगी। जांच समिति के गठन के साथ ही कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए यह भी कह दिया है कि लोगों की जासूसी किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति गठित की है और जांच के लिए आठ सप्ताह की समय-सीमा तय करके बिल्कुल सही किया है। अदालत को सुनिश्चित करना चाहिए कि तय समय में जांच रिपोर्ट पेश हो जाए। हालांकि, यह रिपोर्ट सार्वजनिक होगी या नहीं, यह कहना कठिन है, लेकिन जब बड़े सवालों के जवाब जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से नहीं आ रहे हैं, तब शीर्ष अदालत से ही अब याचिकाकताओं को उम्मीद है। यह जानना जरूरी है कि जासूसी के लिए क्या अवैध तरीके से पेगासस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है ? आखिर पेगासस या जासूसी की जरूरत ही क्यों पड़ी है ? शायद इन सवालों के जवाब सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति खोज पाएगी।

कोई शक नहीं कि आदर्श स्थिति तब होती, जब सुप्रीम कोर्ट को सवालों के जवाब पहले ही मिल जाते, जांच की जरूरत ही नहीं पड़ती। लेकिन याचिकाकताओं ने जो सवाल उठाए थे, उन्हें जब अदालत संतुष्ट नहीं कर सकी, तब मामले की जांच जरूरी हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि हमारे पास याचिकाकर्ता की दलीलों को प्रथम दृष्टया स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अब जो समिति गठित हुई है, उसकी निगरानी सर्वोच्च अदालत के हाथों में रहेगी। संभव है, जांच के बाद अदालत किसी ठोस नतीजे पर पहुंचे। अब जब आठ सप्ताह बाद सुनवाई होगी, देश के सामने दूध का दूध पानी का पानी होने की उम्मीद है। अगर जासूसी हुई है, तो यह जानना सबसे जरूरी है कि उससे देश को फायदा हुआ है या नुकसान ? दुनिया में लोगों की जासूसी का इतिहास पुराना है, लेकिन सभ्यता के दायरे में इसे अच्छा नहीं माना जाता है। विशेष रूप से लोकतंत्र में तंत्र पर लोक का विश्वास जितना जरूरी है, उतनी ही जरूरी है तंत्र में पारदर्शिता। पेगासस से अगर जन-विश्वास खंडित हुआ है, तो संविधान की रोशनी में यह चिंता की बात है। इसकी पुनरावृत्ति तो कतई नहीं होनी चाहिए। तीन सदस्यीय जांच समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश आर वी रवींद्रन करेंगे और इसमें आलोक जोशी और संदीप ओबेरॉय सदस्य होंगे। यह देश के लिए एक आदर्श जांच हो, तो ही बात बनेगी। किसी भी तरह की खानापूर्ति के बजाय यह देखने की जरूरत है कि किन्हीं नागरिकों पर किसी सरकार के अविश्वास के निहितार्थ क्या हैं ? यह भी संभव है कि जांच के दौरान समिति जिम्मेदार अधिकारियों के जासूसी कराने संबंधी फैसले से सहमत हो। पेगासस के जरिये जांच यदि जरूरी थी, अगर देश पर कोई खतरा था, तो जांच के बाद खामोश रह जाना बेहतर होगा। लेकिन अगर विधान को ताक पर रखकर अवैध रूप से जासूसी की गई है, तो हमें सचेत हो जाना चाहिए। जासूसी की किसी भी गलत परंपरा से अपने देश को बचाना चाहिए।

उत्सवों का मर्म समझा जाए

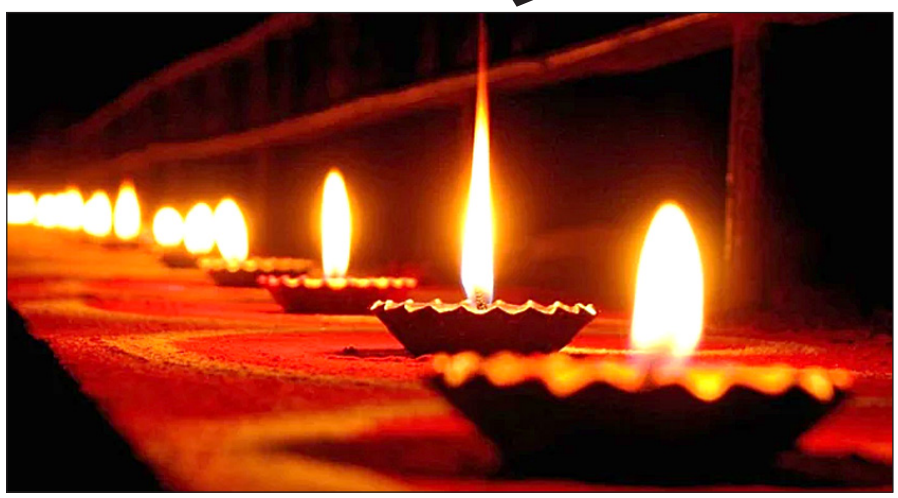

हंसी-खुशी के आलम में उत्सवों की आड़ में हम उनके मर्म को भूल जाते हैं... यह विडंबना है क्योंकि हिंदुस्तान उत्सवों का ही तो समाज है...

दो टीके लगने के बावजूद मास्क और उचित सावधानी के साथ उत्सव मनाना चाहिए। साथ ही, कुछ और बातों का भी ध्यान रखना जरूरी है। आखिर उत्सवों का दुश्मन केवल कोरोना वायरस ही नहीं है। उपभोक्तावादी संस्कृति, जाति-वर्ग-लिंग भेद से ग्रस्त समाज और बाजारू गणित ने पर्व-त्योहार के मर्म को खासा नुकसान पहुंचाया है।

बच्चों को पटाखे के खिलाफ प्रवचन सुना देने भर से हम उत्सवों के मर्म को सुनिश्चित कैसे कर पायेंगे या महज सौहार्द के संदेश सुनाकर हम त्योहारों को संबंध मजबूत करने का अवसर कैसे बना पायेंगे? वैसे वर्ष भर हर्षोल्लास के अवसर आते रहते हैं। लेकिन अक्तूबर का महीना आते ही जैसे त्योहारों का तांता लग जाता है। दशहरे के पहले सावन में अनेक शुभ उपलक्ष्य आ चुके होते हैं। भादो बीतते ही वार्षिक कैलेंडर बच्चों के जीवन का एक रोचक हिस्सा बन जाता है।

काम से छुट्टी की प्रतीक्षा करनेवाले भी आश्विन-कार्तिक का बेसब्री से इंतजार करते हैं। त्योहारों के बहाने बहुत से रुके हुए कामकाज पूरे हो जाते हैं। हंसी-खुशी के आलम में उत्सवों की आड़ में हम उनके मर्म को भूल जाते हैं। यह विडंबना है क्योंकि हिंदुस्तान उत्सवों का ही तो समाज है। मन की दीवारों को फांद कर एक-दूसरे को गले लगाना हर उत्सव का मर्म है। उत्सव हमें सांप्रदायिक भेदभाव भूलने के लिए उत्साहित करते हैं।

दीवाली का दीया तो अमीर-गरीब, अगड़ी जाति-पिछड़ी जाति, स्त्री-पुरुष, छोटे-बड़े सबको एक ही प्रकाश देगा। दशहरे में सबके लिए अच्छाई की बुराई पर जीत होगी। ईद का चांद हिंदू-मुसलमान सबको अच्छे दिनों की उम्मीद देगा। मुहर्रम में ताजिया के जुलूस में हिंदू भी शरीक होते हैं। और तो और, क्रिसमस का दिन तो लगभग सबका बड़ा दिन हो गया है। यही तो मर्म है उत्सवों का।

मर्म के लापता होते ही उत्सवों के सहयोगी पात्र सीधे मुख्य पात्र बन जाते हैं। उत्सवों पर बाजार और उसका लेखा-जोखा ही हावी हो जाता है। क्या हम अपने सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सवों को बाजार और दाव-पेच भरी राजनीति से अलग नहीं कर सकते? क्या हम उत्सवों के मर्म का आनंद लेते हुए सरल, सहज, सुसंस्कृत और सामाजिक नहीं हो सकते? उत्सवों का एक विस्तृत समाजशास्त्र है, जो इन्हीं प्रश्नों की ओर संकेत करता है और हमें सिखाता है कि अगर हमने अपने त्योहारों की परवाह नहीं की, तो हमारा भारी नुकसान होगा।

जैसे कोरोना वायरस से सामाजिक दूरियां अनिवार्य हो गयीं, वैसे ही त्योहारों के मानवीय गुणों के ह्रास से समाज व संस्कृति को खतरा है। समाज वैज्ञानिकों ने पर्व-त्योहार के गूढ़ महत्व पर चिंतन-मनन किया है।

फ्रांसीसी समाजशास्त्री इमाइल दुर्खीम ने आदिम समाज में भी त्योहारों के आधार पर रिश्ते-नाते और सामाजिक संबंधों के लगातार पुष्टि की बात समझायी थी। त्योहारों में सामूहिक प्रतीकों के माध्यम से हम बार-बार एक-दूसरे को अहसास दिलाते हैं कि हम आपस में जुड़े हुए हैं। संभवतः यही वजह है कि दूरदृष्टि रखनेवाले सामाजिक और राजनीतिक दिग्दर्शकों ने आधुनिक युग में भी महत्वपूर्ण घोषणाओं को उत्सव का रूप दिया।

आजादी की घोषणा करते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आजादी के त्योहार की ही घोषणा की थी। तब से अब तक लगभग हर बड़ी सरकारी घोषणा उत्सव की घोषणा जैसी सुनायी पड़ती रही है। उत्सवों की तिथि के अनुसार ही अनेक ब्रांड अपने उत्पाद बाजार में लाते हैं। ऑनलाइन व्यापारी भी शुभ मौके की ताक में रहते हैं। टेलीविजन और अखबारों में चटपटे विज्ञापन बताते हैं कि त्योहार पर क्या नये ऑफर दिये जा रहे हैं। बॉलीवुड में तो एक स्थापित परंपरा रही है त्योहारों को ध्यान में रखकर नयी फिल्में रिलीज करने की। ऐसे में उत्सवों के मतलब जरूरत से ज्यादा जटिल हो जाते हैं।

मानवशास्त्री क्लिफोर्ड गीर्ट्ज ने इसी तरफ इशारा किया था, जब वे इंडोनेशिया के बाली में एक सांस्कृतिक उत्सव को समझने की कोशिश कर रहे थे, जिसमें स्थानीय लोग मुर्गा लड़ाते थे। इस उत्सव में स्थानीय समाज, संस्कृति और राजनीति ऐसे सने हुए थे, जैसे आटे में नमक। तभी तो दक्षिण एशिया के अनेक हिस्से में उत्सवों को सामाजिक और सांस्कृतिक अवसर से ज्यादा राजनीतिक व राष्ट्रीय पहचान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

इस जद्दोजहद में पहचान की दीवारों से परे मनुष्य की मनुजता और उत्सवों की मार्मिकता गौण हो जाते हैं। हम यही तय करने में लगे रहते हैं कि कौन सा उत्सव किसका है। सावन में महादेव का ध्यान करते हुए सोमवार का व्रत महिलाओं का हो जाता है, छठ पूजा केवल बिहार और उत्तर प्रदेश के हिंदुओं का पर्व बन जाता है।

ओणम, पोंगल आदि के बारे में तो उत्तर भारतीय सामान्य ज्ञान के रूप में ही जानते हैं। ऐसी लंबी सूची हमारी विभाजित मानसिकता की पोल खोल सकती है। सामाजिक पहचान की जेल में बंद हम उत्सवों का वो मर्म नहीं जान पाते, जो हमें वेदों के समय से ही इतना उदार बनने को प्रेरित करता था कि हम इतराते हुए कहते थे- वसुधैव कुटुंबकम।

उत्सव के मर्म और बाजार के गणित का शोर ऐसे घुल-मिल गया कि संस्कृति को राजनीति से अलग करना कठिन हो गया है। उत्सवों के बहाने से हमारी सामाजिकता और संस्कृति अनेक स्वार्थों के शिकार हो जाते हैं। इतना मुश्किल तो नहीं है सभ्य समाज के लिए उत्सवों के मर्म की तरफ लौटना?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

त्रिपुरा में सरकार अविलंब मस्जिदों में, मुस्लिम दुकानों और घरों में तोड़फोड़, आगजनी

मुस्लिम विरोधी नारेबाजी जैसी घटनाओं पर रोक लगाए मुस्लिम बेदारी कारवां

संवाददाता / मो सालिम आजाद

मधुबनी। त्रिपुरा में हालात दिन प्रति दिन खराब होते जा रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की निंदा करते हुए कई दिनों से राज्य भर में प्रदर्शन और रैलियां की जा रही थी और देखते ही देखते ये रैलियां तेज हो गईं और राज्य के मुसलमानों के खिलाफ हिंसक रूप धारण कर लिया। जिस के नतीजे में मस्जिदों में तोड़फोड़, आगजनी, मुस्लिम दुकानों और घरों में तोड़फोड़, मुस्लिम विरोधी नारेबाजी जैसी घटनाएं रोजाना सामने आ रही हैं। इस मामले पर गुरुवार को आल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भारत सरकार और त्रिपुरा सरकार से स्थिति को जल्द से जल्द नियंत्रित करने तथा राज्य के मुसलमानों के जीवन और संपत्ति की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। श्री आलम ने कहा कि ह्लत्रिपुरा पिछले एक सप्ताह से सांप्रदायिक हिंसा और मुसलमानों पर हमलों की एक खतरनाक दौर से गुजर रहा है। स्थानीय लोगों व सामाजिक कार्यकताओं से

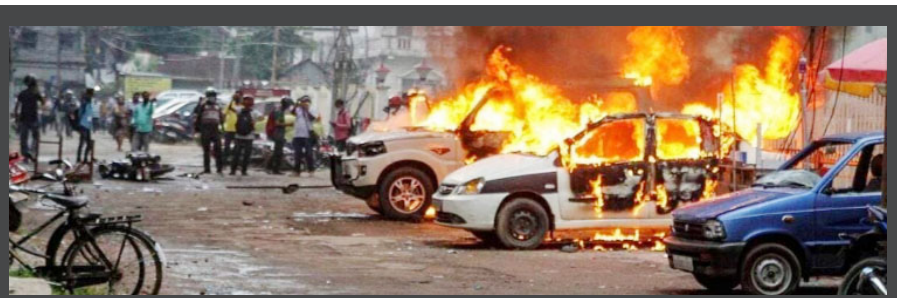

मिली जानकारी के अनुसार हिंदुत्ववादी भीड़ द्वारा मुस्लिम क्षेत्रों में मस्जिदों, घरों और लोगों पर हमला करने की दो दर्जन से अधिक घटनाएं सामने आई हैं। जिनमें 16 घटनाएं मस्जिदों में तोड़फोड़ की हैं, तथा जबरन श्लढ (विश्व हिंदू परिषद) के झंडे फहराए गए। कम से कम तीन मस्जिदें, अनाकोटी जिला में पलबाजार मस्जिद, गोमती जिले में डोगरा मस्जिद तथा विशाल गढ़ में नरूला टीला मस्जिद को आग लगा दी गई। मुस्लिम घरों पर पथराव किया गया और उन्हें निशाना बनाया गया, तथा तोड़फोड़ की भी खबरें सामने आ रही हैं। नजरे आलम ने बताया कि सरकार और राज्य प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ऐसा लगता है कि सरकार नहीं चाहती कि हिंसा खत्म हो और शांति बनी रहे। कई जगहों पर बांग्लादेश की घटनाओं का हवाला देकर त्रिपुरा में स्थिति को सही ठहराया जा रहा है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं पर सरकार ने कुछ ही दिनों में कठोर कदम उठाए हैं। लगभग 500 गिरफ्तारियां की गई हैं, लेकिन त्रिपुरा में स्थिति अभी भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। श्री आलम ने ये भी बताया कि राज्य की स्थिति को देखते हुए मंगलवार को उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर और कैलाशहर के क्षेत्रों में मुसलमानों द्वारा प्रदर्शन किया गया था। उन क्षेत्रों में धारा 144 लागू कर दी गई, और प्रदर्शन से रोक दिया गया। लेकिन जिन क्षेत्रों में उपद्रवियों द्वारा तोड़फोड़ और आगजनी को अंजाम दिया जा रहा है वहाँ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सरकार तथा प्रशासन के तरफ से कुछ ही जगहों पर पुलिस की तैनाती दिखाकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश का दिखावा किया जा रहा है।ह्व उन्होंने ने कहा कि ह्वहम सरकार से अपील करते हैं कि यथाशीघ्र स्थिति को नियंत्रण में लाया जाए। साथ ही मस्जिदों को हुए नुकसान की भरपाई की जाए। मुसलामानों को विशेष सुरक्षा प्रदान किया जाए और जो आतंक फैला रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि राज्य में शांति स्थापित हो सके।ह्व अगर सरकार शांति स्थापित नहीं करती है तो मुस्लिम बेदारी मजबूरन देश भर में आन्दोलन करने को मजबूर होगा।

अवैध खनन की शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं करने का आरोप

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन,

कौशाम्बी। कौशाम्बी थाना पिपरी क्षेत्र के रसूलपुर ब्यूर घाट पर सक्रिय बालू माफिया यमुना नदी के अंदर से बालू की चोरी कर रहें हैं।अवैध खनन व कानून का उल्लंघन कर रहे हैं क्षेत्र के लोग ने इसका विरोध जताया है और एडवोकेट दानिश अली ने कहा है नहीं होने देंगे अवैध खनन। उन्होंने सरकार से गुहार लगाई मुझे पूरी उम्मीद है कि यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी इस मामले में जल्द जरूर न्याय करेंगे। हजारों मजदूर वर्ग का रोजगार JCB मशीनें व पोकलैंड छीन ले रही है करोड़ों अरबों का राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हम खनन के विरोध में नहीं है लेकिन जो भी हो कानून के दायरे में हो, गरीबों का हित देखकर वैध खनन किया जाए। अवैध खनन नहीं होने दूंगा। इसके लिए मुझे लखनऊ तक जाना पड़े तो मैं जाने के लिए तैयार हूं गरीबों के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा एडवोकेट दानिश अली।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

मलिक का NCB पर .....

मलिक ने आगे कहा कि जेल में डालने वाला अब खुद जेल जाने से डरने लगा है। वह अब बॉम्बे हाईकोर्ट में जाकर मुंबई पुलिस के खिलाफ अविश्वास दिखा रहा है। उसने जरूर कुछ गलत किया होगा, इसलिए वह अपने खिलाफ कार्रवाई से डर रहा है। नवाब मलिक ने आगे कहा, मुंबई पुलिस ने बॉम्बे हाई कोर्ट को सूचित किया है कि अगर वे ऐसी कोई कार्रवाई करने का इरादा रखते हैं तो वे 72 घंटे पहले उनकी गिरफ्तारी का नोटिस जारी करेंगे। मैं अपनी पिछली टिप्पणियों को दोहराता हूं कि यह ड्रग केस पूरी तरह से फर्जी है। बच्चों को जानबूझकर फंसाया गया था। इससे पहले, ठउढ नेता ने वानखेड़े के खिलाफ कई आरोप लगाए थे, जिसमें अवैध फोन टैपिंग और नौकरी हासिल करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करना शामिल था।

परमबीर सिंह पर जबरन उगाही का आरोप .....

फिरौती और उगाही के मामले में ठाणे में केतन तन्ना द्वारा परमबीर सिंह सहित 28 लोगों पर केस दर्ज कराया था। केतन ने परमबीर पर झूठे आरोप में फंसा कर उगाही करने का आरोप लगाया था। केस के सभी 28 आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। मामले के कुछ आरोपी पहले से जेल में है। अन्य आरोपी विदेश न भाग जाए, इसलिए यह लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, इसके बावजूद परमबीर सिंह गायब हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने उन्हें नौ अक्तूबर को वसूली मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा था। लेकिन, न वो खुद आए न उनकी तरफ से कोई जवाब ही आया। महाराष्ट्र राज्य के गृह विभाग ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को भगोड़ा घोषित करने की लीगल प्रोसेस शुरू कर दी है। गृह विभाग ने इंटेलिजेंस ब्यूरो से भी परमबीर का पता लगाने में मदद मांगी है। परमबीर सिंह स्वास्थ्य कारणों से छुट्टी पर जाने के बाद से मई से लापता हैं। सिंह को उनके चंडीगढ़ स्थित आवास पर कई पत्र भेजे गए और उनके ठिकानों के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पिछले महीने, गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने कहा था कि वे आईपीएस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियमों के प्रावधानों को देख रहे हैं। दक्षिण मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के पास विस्फोटकों वाली एसयूवी मिलने के मामले में मुंबई पुलिस के अधिकारी (एपीआई) सचिन वाजे को गिरफ्तार किए जाने के बाद परमबीर सिंह को भी मुंबई पुलिस प्रमुख के पद से हटा दिया गया और होमगार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद परमबीर सिंह ने राज्य के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर वसूली का आरोप लगाते कि देशमुख ने सचिन वाजे को मुंबई के होटलों और बार से हर महीने 100 करोड़ रुपये लेने के लिए कहा था। हालांकि इस आरोप से देशमुख ने इनकार किया है। उधर, महाराष्ट्र के गृह विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, परमबीर सिंह को भगोड़ा घोषित करने की कानूनी प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। पिछले सप्ताह जांच के लिए बनाए गए चांदीवाल आयोग की कार्रवाई के दौरान मुंबई में सीनियर एडवोकेट अभिनव चंद्रचूड़ और आसिफ लम्पवाला, पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की ओर से पेश हुए और उनकी ओर से पावर ऑफ अटॉर्नी के साथ दिए गए एक हलफनामे को दायर किया।

आर्यन की होगी रिहाई शाहरुख के बंगले मन्नत .....

हालांकि अदालत से आदेश की कॉपी न मिलने के कारण तीनों को शुक्रवार या शनिवार तक रिहा किया जाएगा। आर्यन को जमानत मिलने के बाद शाहरुख के बंगले मन्नत के सामने पटाखे फोड़े गए। आर्यन को बेल मिलने पर उनके समर्थकों ने 8 दिन पहले ही दीवाली मना ली। गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में दोपहर 3 बजे सुनवाई शुरू हुई। शाम करीब 4.45 बजे कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया। आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) अनिल सिंह ने NCB की तरफ से दलीलें दीं, लेकिन कोर्ट ने आरोपियों को जमानत दे दी। ASG ने कोर्ट से कहा कि आर्यन को जमानत मिलने पर सबूतों से छेड़छाड़ की जा सकती है। आर्यन पिछले कुछ सालों से रेगुलर ड्रग्स ले रहे हैं। रिकॉर्ड से पता चलता है कि वे कई लोगों को ड्रग्स अवेलबल कराते रहे हैं। जिस तादाद में ड्रग्स की मात्रा मिली है, उससे साफ है कि वह ड्रग स्मगलरों के कॉन्टैक्ट में रहे हैं। बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा था कि यदि 1 घंटे में ASG दलील पूरी कर लेते हैं तो गुरुवार को ही इस मामले में फैसला ले लिया जाएगा।

सीएम ने की बीडीडी चाल की .....

बैठक में पुलिस आवासीय पुनर्विकास की प्रस्तावित परियोजनाओं में निवासी क्षेत्र के आरक्षण में रियायत देते हुए निवास स्थान उपलब्ध करने, राज्य में गृह विभाग की जगह पर पुलिस आवास महामंडल के माध्यम से विकास महामंडल को फंड उपलब्ध कराने और म्हाडा के भूखंडों पर आवासीय भवनों के पुनर्विकास के बारे में चर्चा हुई। सीएम ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस आवास महामंडल के माध्यम से पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। बैठक में मौजूद राज्य के गृहमंत्री दिलीप वलसे-पाटिल ने कहा कि पुलिस स्टेशन व अन्य कार्यालय भवनों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि बीडीडी चाल का पुनर्विकास कार्य तेजी से पूरा किया जाए। बीडीडी चाल में पुलिस सेवा निवास स्थान सहित बीडीडी चाल परियोजना के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों के रिक्त पदों को भरने, ई-पंजीकरण सुविधा के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक में गृहमंत्री दिलीप वलसे-पाटिल, गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड, पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे, गृह राज्यमंत्री सतेज पाटिल, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मेघा वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। लगातार वैक्सीनेशन की मुंब्रा में कमी को देखते हुए एनसीपी द्वारा वैक्सीनेशन मेघा कैंप का आयोजन किया गया है। यह वैक्सीनेशन कैंप एनसीपी कार्यालय तंवर नगर में 3 दिनों के लिए लगाया जाएगा। तारीख 28 29 30 जिसमें 18 से ऊपर के लोगों को वैक्सीन दिया जाएगा। जिसका वक्त सवेरे 9:00 बजे से रात 11:00 बजे तक रखा गया है, और यह वैक्सीनेशन केम में को वैक्सीन कोविड शील्ड दोनों प्रकार के खुराक दी जाएगी। यह कैंप में खास तौर पर विकलांग लोगों के लिए गर्भवती महिलाओं के लिए अलग से सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। इसके साथ अमृत नगर दरगाह रोड पर भी वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया है। ताकि अमृत नगर रहवासी को तंवर नगर तक आने के लिए परेशानी ना हो। इसलिए उनकी सुविधा के लिए अमृत नगर दरगाह रोड पर भी वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया है। विरोधी पक्ष नेता शानू पठान ने बताया अगर आज हम यह वैक्सीनेशन मेघा कैंप आयोजित कर पाए हैं। उसका श्रेय कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवाड़ को जाता है। उनके मार्गदर्शन में ही आज हम यह वैक्सीनेशन कैंप लगाने में कामयाब हुए और मनपा आयुक्त बिपिन शर्मा और आरोग्य विभाग का खास तौर पर शुक्रिया अदा किया गया और कलवा मुंब्रा के अध्यक्ष शमीम खान ने बताया कि हमारा कोशिश है। हजारों लोगों को वैक्सीनेट करने का हमारा लक्ष्य है। उन्होंने तमाम डॉक्टरों की टीम का शुक्रिया अदा किया है और मुंब्रा कलवा की जनता से अपील की है कि वह इस मेघा वैक्सीनेशन कैंप का लाभ उठाएं और अपने आप को वैक्सीनेट करें गौरतलब बात तो यह है। कोरोना काल के चलते और राज्य सरकार की गाइडलाइंस को मध्य नजर रखते हुए सभी लोगों को वैक्सीनेट करने के लिए एनसीपी के विरोधी पक्ष नेता अशरफ शानू पठान और शमीम खान के प्रयासों से यह भव्य वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया है। हम जनता से भी अपील करते हैं कि इस मेगा वैक्सीनेशन कैंप का लाभ उठाएं और अपने आप को वैक्सीनेट करें।

मुंब्रा के खूनी बाईपास ने ली एक व्यक्ति की जान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। खूनी बाईपास पर दुर्घटनाओं का सिलसिला मैं दिन में दिन बढ़ोतरी होती जा रही है। आए दिन कोई न कोई व्यक्ति दुर्घटना का शिकार होता ही रहता है ऐसा ही एक दुर्घटना का मामला 27 अक्टूबर बुधवार शाम के वक्त होने का मामला प्रकाश में आया है मोहम्मद शकूर खान वर्ष 60 रहवासी बाईपास से सटे एस एस चाल अंबेडकर पाड़ा यह व्यक्ति ठाणे किसी काम से गया हुआ था वापसी में घर जा रहा था रहमानिया हॉस्पिटल के टर्निंग पॉइंट पर पीछे से तेज गति से आ रहा कंटेनर ने मोटरसाइकिल नंबर MHO4 DL 533 पर सवार मोहम्मद शकूर खान को टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोर से मारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और कंटेनर चालक फरार हो गया है इसकी सूचना मिलते ही मुंब्रा पुलिस और ट्रैफिक विभाग के पुलिस अधिकारी ने लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी अस्पताल में भेज दिया और कंटेनर चालक की तलाश शुरू कर दी इस व्यक्ति के बारे में सूत्रों द्वारा यह जानकारी दी जा रही है अंबेडकर पाड़ा रहवासी के मोहम्मद शकूर का छोटी मोटी चॉकलेट बिस्किट की दुकान चलाया करते थे और उसी से अपने परिवार का पालन पोषण किया करते थे फिलहाल उनकी दुर्घटना में हुई मौत को लेकर स्थानीय रहवासियों में परिवार वालों में दुख और गम का माहौल छाया हुआ है।

परिवर्तनकारी प्रारम्भिक शिक्षक संघ प्रखंड इकाई बिरफी मधुबनी ने बिहार सरकार से मांग की है की मेडिकल ऐरीयर में 10%प्रतिशत की वृद्धि क्या जाए

संवाददाता मो सालिम आजाद

मधुबनी। लगातार बढ़ती महंगाई से आम लोगों के एलावा सरकारी कर्मचारी को भी कमर टूट चुकी है ब्रांडेड से लेकर जेनेरिक दवाएं महंगी हो गई है कीमत हर दिन बढ़, रही है और डाक्टरो की मंहगी फीस, और दवा एवं मंहगि यात्रा , फल,दूध, सब्जी, खाने का तेल, दाल,के दाम भी आसमान छू रहे है पिछले एक साल मे डेढ से दुगुना तक वृद्धि हुई है कोरूना महामारी के कारण हुई अर्थिक तंगी से लोग उबर नही सके है इस के कारण लाखों लोगो की नौकरी चली गई और तमाम लोगो को घर चलाने मे परेशानी हो रही है बिहार सरकार से मेरी मांग है की तमाम परेशानी को देखते हुए सरकारी कर्मी को 1000 मेडिकल से पूर्ति नहीं हो रहा है इस लिए मेडिकल ऐरीयर 2000 रुपए किया जाय।प्रखंड अध्यक्ष बिस्फी मनोज कुमार मंडल , विकास कुमार, देवनारायण चौधरी, छोटे प्रसाद यादव, कपिल कुमार, श्याम कुमार, अमरेश कुमार, नरेश निराला, संतोष कुमार मंडल, देव कुमार, सुधीर मंडल, शाहिद अख्तर,ओवैस अंसारी, अन्य सामिल थे।

खिलाड़ी अपने खेल में दिखाएं रुचि हम करेंगे हर सम्भव मददः क्षेत्रीय विधायक विक्रमाजीत

कौड़िहार, प्रयागराज। ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता कौड़िहार ब्लाक की साईं क्रिकेट बुधवार को एकेडमी में संपन्न हुई जिसमें जिसमें मुख्य अतिथि फाफामऊ विधायक विक्रमाजीत मौर्य ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम अपने विधानसभा के सभी खिलाड़ियों को हर संभव मदद करेंगे वह अधिक से अधिक खेल में अपनी रूचि दिखाएं और सभी खेलों में प्रतिभाग करते रहें। पीआरडी ब्लॉक कमांडर जय प्रकाश पांडे ने क्षेत्रीय विधायक से मांग की ब्लॉक स्तरीय स्टेडियम के लिए जमीन की आवश्यकता है इसका निस्तारण होना खिलाड़ियों के हित में आवश्यक है। उद्घाटन सत्र में ब्लाक प्रमुख राकेश यादव ने 800 मीटर बालक वर्ग में फीता काटकर सीटी बजाकर शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में, दौड़ में 100,200,400 मीटर में देव शंकर यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी,भाला फेंक में अमर बहादुर ने 53 मीटर फेंककर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में गोला फेंक में ज्योति मौर्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डिस्कस, बॉलीबाल इत्यादि खेल हुये। प्रतियोगिता की अध्यक्षता युवक मंगल दल अध्यक्ष ऋतु राज पाण्डेय ने व संचालन पुनीत त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर विधायक विक्रमाजीत मौर्य, ब्लाक प्रमुख राकेश यादव, मण्डल अध्यक्ष राजू पाल, युवक मंगल दल अध्यक्ष ऋतु राज पाण्डेय, बीओ पीआरडी विशाल कुमार, ब्लाक कमांडर जय प्रकाश पाण्डेय, सुनील तिवारी रुद्र, धनन्जय मिश्र मनोज, धीरेंद्र सिंह, शिवम सिंह, अमित ओझा, शिवपूजन पटेल आदि लोग रहे।

मोहन दास वैष्णव सदर मुन्सरिम नायब तहसीलदार पद से भू प्रबन्ध विभाग जोधपुर से सेवानिवृत्त

पत्रकार भरत कुमार राजमणी ने बताया कि रांकावत समाज चोराई पट्टी के पूर्व अध्यक्ष स्व.सोहन दास राजमणी के सुपुत्र मोहन दास वैष्णव, सदर मुन्सरिम (पद नायब तहसीलदार), राजस्थान सरकार के भू प्रबंध विभाग, मुन्सरिम के पद से उत्कृष्ट 29 वर्ष 4 पुर्ण कर 29 .10. वर्ष में सेवानिवृत्त वैष्णव ने भू प्रबन्ध राजकीयसेवा दी उदयपुर, जयपुर, जोधपुर में सदर महिमामय व गौरवमय माह राजकीय सेवा 2021 को 60 वे हो रहे है। मोहनदास विभाग में अन्य जगह बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही बीकानेर, जोधपुर में राजकीय सेवा दी ओर अभी जोधपुर से सेवानिवृत्त हो रहे है। स्थान मोहन दास वैष्णव, सदर मुन्सरिम,भू प्रबन्ध विभाग जोधपुर, नेनीबाई मंदिर, उदय मंदिर के पास, जोधपुर।

कालियास में प्रशासन गाँव के संग शिविर आयोजित लोगों की भीड़ उमड़ी

(शिविर में मुंबई हलचल ब्यूरो राठौड़ का सम्मान किया गया)

मुंबई हलचल ब्यूरो / गैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। सरकार द्वारा आम जनता को राहत दिलाने के लिए प्रशासन गाँवों के संग शिविर की चल रही श्रंखला में भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील के कालियास कस्बे में प्रशासन गाँव के संग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत का सक्रिय और सराहनीय योगदान रहा। शिविर में कालियास सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत कोविड के प्रति भी लोगों को जागरूक करते नजर आए। कार्यक्रम में सभी सरकारी विभाग के आला अधिकारी मौजूद रहे। ग्रामीण भी अपनी अपनी विभिन्न तरह की समस्याओं को लेकर समाधान के लिए शिविर में आते नजर आए, जिनमें मुख्यतः मकानों के आवासीय पट्टे, अतिक्रमण, आवागमन हेतु रास्ते की निकासी व कई तरह के मुद्दे शामिल रहे। कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का मुद्दा भी मुख्य आकर्षण रहा। इस अवसर पर विभिन्न समस्याओं को सारगर्भित व तथ्यात्मक तरीके से उठाने के लिए मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ का कालियास सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत द्वारा माल्यार्पण कर साफा बंधा कर सम्मान किया गया व तथ्यात्मक व सारगर्भित खबरों के लिए मुंबई हलचल समाचार पत्र का धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में लोगों की विभिन्न समस्याओं हेतु तहसीलदार बेनी प्रसाद सरगना, एसडीएम संदीप कुमार काकड़, सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत व अन्य सरकारी विभाग के अधिकारी काफी जिम्मेदार एवं संवेदनशील नजर आए। शिविर में एसडीएम संदीप कुमार काकड़ व सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत ने केक काटकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 6 बेटियों दिव्या कंवर, अक्षिता गुर्जर, प्रियांशी गुर्जर, सरिता भील, राधिका लुहार, महिमा लुहार का जन्म दिन मनाया! शिविर में 45 ग्रामीणों को जॉब कार्ड तथा 25 लोगों को पट्टे वितरित किए गए। 11 प्रकरणों का समाधान किया गया। 151 नामांतरण खोले गए, तथा 5 सीमा ज्ञान पत्थर गड़ी के आदेश दिए गए। एक आबादी विस्तार, एक सार्वजनिक विस्तार सहित 58 अन्य कार्य सहित 185 राजस्व प्रतिलिपि वितरित की गई। शिविर में सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत ने लोगों की विभिन्न तरह की समस्याएं सुनी और उनका त्वरित समाधान करवाया। शिविर के लिए सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत द्वारा विभिन्न तरह की सजावट की गई। कालियास पंचायत द्वारा शिविर में आए सभी सरकारी विभाग के अधिकारियों के लिए चाय नाश्ते व भोजन की व्यवस्था की गई। शिविर में उपखंड अधिकारी संदीप कुमार काकड़, तहसीलदार बेनी प्रसाद सरगना, विकास अधिकारी जसा राम माथोरिया, सरपंच शक्ति सिंह चुंडावत, सचिव अनिल कुमार ढाका, मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़, भगवान सिंह कंपाउंडर, डेयरी व्यवस्थापक चुन्नी लाल जाट, वार्ड पंच सुखदेव रेगर, कमलेश मेघवंशी, वार्ड पंच कंचन देवी मेघवंशी, रामप्रसाद बावरी, लादु लाल रेगर (सहकारी समिति) सहित सैंकड़ों की तादाद में ग्रामीण उपस्थित थे।

अल्पसंख्यक मोर्चा चलाएगा जन जागरूकता अभियान

मुंबई हलचल / विद्या शंकर शुक्ला

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक जिला कार्यालय में हुई जिसमें मंडल अध्यक्षों को बधाई के साथ आने वाले त्योहारों के बारे में जनमानस के बीच में मोर्चा जन जागरूकता अभियान चलाएगा जिसमें कोरोना जैसी महामारी को देखते हुए लोगों को स्वास्थ्य के बारे में सचेत करेगा कि त्योहारों के दिनों में बाजार में नकली मावे और पनीर से बनी मिठाइयों का कारोबार जोर पकड़ता जाता है त्योहारों के मौसम में बढ़ गई है मिलावट खोरी, बरतनी होगी सावधानी एक दिया देश की रक्षा करते हुए वीर सैनिक शहीद होते हैं उन्हें दीप जलाकर सच्ची श्रद्धा समर्पित करें जिससे हमारे सैनिकों का मनोबल मजबूत होगा मोर्चा वायु प्रदूषण के बारे में विस्तृत जानकारी देगा कि बारूद वाले पटाखे बजाने से जहां ध्वनि और वायु प्रदूषण होता है वायु व ध्वनि प्रदूषण से बढ़ते खतरों से आगाह किया जाएगा क्योंकि बच्चे, बुजुर्गों के साथ अस्वस्थ व्यक्ति को तमाम तरह की खासी परेशानी होती है। विचार रखने वालों में सर्वप्रथम मोर्चा अध्यक्ष राहिल हसन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष काशी क्षेत्र सरदार पतविंदर सिंह, रीता सोढ़ी, बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिंद्रा ने किसानों के लिए लांच किया नया ट्रैक्टर

पूर्वांचल में सबसे बड़े डीलर के रूप में उभरे निखिल

विद्या शंकर शुक्ला मुंबई हलचल

प्रयागराज। सोरांव सर्किल के महेशगंज में बुधवार को महिंद्रा ट्रैक्टर द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी में कंपनी ने यूवो टेक + 405 डीआई के नये ट्रैक्टर को लांच करते हुए किसानों को समर्पित किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि सहायक एरिया मैनेजर दीपक जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर व फीता काटकर किया। वही कंपनी द्वारा 10 किसानों को लकी ड्रॉ के रूप में चयनित होने पर डीलर निखिल सिंह ने उपहार वितरित किया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य राबेन्द्र यादव लोहिया, विष्णु यादव, विकास मिश्रा, संजय सिंह, अनिल दुबे, मनोज साहू, देवेंद्र त्रिपाठी, अभिनेश जयसवाल, धीरेन्द्र त्रिपाठी,अजय दुबे, दिलीप यादव, कोटेश्वर तिवारी, संजीत मिश्र, रमाशंकर यादव, भूपेंद्र यादव, मोनू सिंह,रमेश सिंह, सुरेश पांडेय, सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहें।

मामूली विवाद को लेकर छात्रों ने की छात्र की हत्या

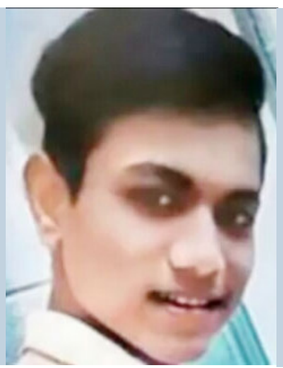

संवाददाता

ठाणे। गत 25 अक्टूबर सोमवार को ठाणे के वागले स्टेट से हत्या का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मामला यह बताया जा रहा है। छत्रपति यजषि शाहु विद्यालय जूनियर कॉलेज में पढ़ रहे दसवीं कक्षा के छात्र संतोष तुषार सावले की मामूली बात पर आठवीं कक्षा में पढ़ रहे 3 छात्रों ने मिलकर स्कूल के पीछे नाले में बुलाकर धारदार हथियार चाकू से हत्या कर दी हत्या करने के बाद ही तीनों नाबालिक बच्चे वहां से फरार हो गए हमले के वक्त तुषार सावले का एक दोस्त उसके साथ था। उसी के चीखने चिल्लाने पर स्थानीय लोग जमा हो गए उस वक्त तुषार खून में लथपथ पढ़ा हुआ था। इस हत्या की सूचना वागले स्टेट पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी दवाखाने में भेज दिया ठाणे वागले स्टेट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दत्ता गुले से मिली जानकारी के अनुसार मामूली विवाद को लेकर आठवीं कक्षा के 3 छात्र और दसवीं कक्षा के 2 छात्र ने मिलकर संतोष सावले की हत्या की। यह बच्चे नाबालिक है जिन को गिरफ्तार कर जु मिनाइल रूम में भेज दिया गया है। हालांकि पुलिस ने तो यह कह दिया कि मामूली बात को लेकर यह नाबालिक बच्चों ने हत्या जैसी सनसनीखेज वारदात को अंजाम दे दिया लेकिन वह कौन सी मामूली बात थी। जिसके कारण यह नाबालिक बच्चों ने हत्या कर दी यह सोचने का विषय है फिलहाल तुषार सावले के परिवार में और उनके इलाके में गम का माहौल छाया हुआ है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शराब के पैसे के विवाद को लेकर मलकापुर में एक की हत्या आरोपी गिरफ्तार

मुंबई हलचल ब्यूरो / संवाददाता

बुलढाणा। शराब के दस रुपये न देने पर दोस्तों के बीच हुए विवाद में उनमें से एक ने एक व्यक्ति के सिर पर लकड़ी के राफ्टर से वार करके खुन कर दिया । यह दिल दहला देने वाली घटना बुधवार 27 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे मुक्ताईनगर रोड स्थित एक शराब की दुकान के पास हुई.घटना से शहर में हड़कंप मच गया था।पुलिस ने तुरंत हत्या की जांच शुरू की और एक घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर के मुक्ताईनगर रोड पर सरकारी शराब की दुकान है.मलकापुर तहेसील के हिंग्णा काजी निवासी भागवत सिताराम फासे (उम्र 55 विनोद) विनोद लक्ष्मण वानखेड़े (उम्र 40), दिलीप त्र्यंबक बोड्डे (उम्र 35) दोनों रा. सुभाष चंद्र बोस नागर और तीन दोस्त वहां शराब पीने गए थे। इस दौरान विनोद वानखेड़े और दिलीप बोदडे दोनों ने भागवत फासे से शराब पीने के 10 रुपये मांगा लेकिन फांसे ने पैसे देने से इनकार कर दिया। दुकान से बाहर आने के बाद, वानखेड़े और बोड्डे दोनों ने इस बात से नाराज होकर , लकड़ी के राफ्टर से फासे के सिर पर प्रहार वार किया। लकड़ी के राफ्टर की चपेट में आने से भागवत फासे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नगर पुलिस को प्रह्लाद काटकर अपने दस्ते के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक की शिनाख्त की. लेकिन तब तक हत्या के दोनों आरोपि फरार हो चुके थे। खुफिया विभाग के एक पुलिस अधिकारी भोराकडे के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को करीब एक घंटे में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस की रूपरेखा दिखाने के बाद उसने हत्या की बात कबूल कर ली। मामले में मृतक के बेटे नीना भागवत फासे की ओर से सिटी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

मिठाई और नमकीन उत्पादों पर बेस्ट बिफोर तारीख का उल्लेख करें, स. द. केदारे

मुंबई हलचल ब्यूरो / संवाददाता

बुलढाणा। त्योहारी सीजन के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक तरह-तरह की मिठाइयां और स्नैक्स खरीदते हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री और संरक्षक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे के निदेर्शानुसार ग्राहकों को त्योहार के दौरान शुद्ध और अच्छी गुणवत्ता वाली मिठाई, नाश्ता और अन्य खाद्य सामग्री मिलनी चाहिए। मिठाई और स्नैक्स की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। प्रतिष्ठान साफ-सुथरा होना चाहिए। साथ ही मिठाई और नमकीन उत्पादों पर बेस्ट बिफोर डेट का जिक्र होना चाहिए। ऐसी जानकारी सहायक खाद्य आयुक्त अन्न स. द. केदारे ने आज दिया। स्थानीय बुलडाना अर्बन रेजीडेंसी क्लब में जिले के स्वीट मार्ट के चालक-मालिकों की बैठक हुई। उस समय श्री. केदार बोल रहे थे। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी जी क। वासवे, आर द्वारा सोलंकी आदि भी मौजूद थे।उन्होंने आगे कहा कि भोजन तैयार करने में खाद्य तेल का पुनः उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह स्वास्थ्य के मुद्दों को उठाता है। साथ ही, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के साथ-साथ नियम और विनियम 2011 के तहत विभिन्न प्रावधानों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। बैठक में चेतावनी भी दी गई कि बैठक के निदेर्शों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिले के सभी तालुकों के स्वीट मार्ट चालकों ने भाग लिया। इस बार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य व्यापारियों के संदेह को दूर किया।

पंडेर क्षेत्र में मोबाइल दुकान में चोरी लोगों ने गश्त बढ़ाने की मांग की

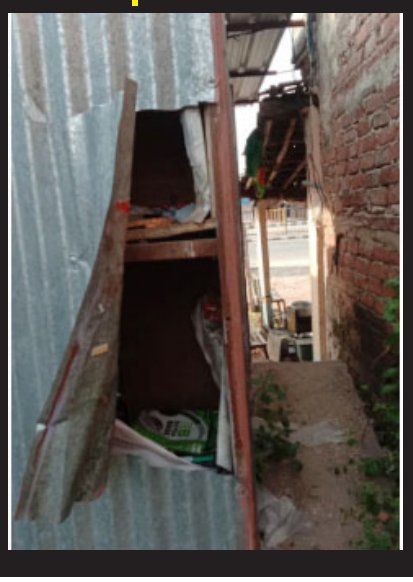

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। जिले के पंडेर क्षेत्र में इन दिनों चोरी की वारदातें बढ़ती जा रही हैं। पुलिस भी चोरी की बढ़ती वारदातों पर अंकुश नहीं लगा पा रही हैं! क्षेत्रीय पत्रकार गजानंद जोशी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि पंडेर, बस स्टैंड, स्थित मोबाइल दुकान के पीछे से लोहे के चद्दर काटकर चोरों ने नगदी, मोबाइल व एसेसरीज चुरा ले गए! पंडेर निवासी संचालक, पवन साहू ने बताया सुबह दुकान आने पर पता चला, देखा तो पीछे से चद्दर कटा हुआ था। दुकान में सामान बिखरे हुए थे। मोबाइल, नगदी व अन्य सामान गायब थे! इस पर पंडेर पुलिस को सूचना दी गई पुलिस मौके पर पहुची मौका मुआयना किया, लेकिन शाम तक चोरी का कोई खुलासा नहीं हो सका इससे क्षेत्र के लोगों में आक्रोश हैं। लोगों का कहना है पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। हर बार पुलिस के हाथ खाली रहते हैं। ग्रामवासियों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की हैं।

एमएम वैली परिसर में बन रहे अस्पताल को लेकर बीजेपी की नगर सेविका ने लगाया एनसीपी शिवसेना पर भ्रष्टाचार का आरोप

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आगामी मनपा चुनाव के चलते सभी राजनीतिक पार्टी सड़कों पर उतर कर अपना वर्चस्व को बनाने का प्रयास किया जा रहा है। चाहे वह एम आई एम आई एम या आम आदमी पार्टी या बीजेपी हर विपक्षी दल सत्ताधारी पार्टी को पटकने में लगी हुई है। आम आदमी पार्टी टोरेंट के मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतर कर बड़े पैमाने पर जन आंदोलन करने का प्रयास कर एनसीपी को करारी हार देने में लगी है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी अपना मनपा चुनाव में पैर जमाने की तैयारी कर चुकी है। बीजेपी के हाथ सरकारी अस्पताल के रूप में बटेर लग चुका है एमएम वैली परिसर में 8 साल से बन रहे अस्पताल के चलते सत्ताधारी पार्टी को घेरना शुरू कर दिया है। सरकारी अस्पताल को लेकर बीजेपी की नगरसेविका ने जो खुलासा किया है उससे सत्ताधारी पार्टी पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। उन्होंने इस अस्पताल के बारे में जानकारी देते हुए बताया 2014 में इसका वर्क आर्डर निकाला गया था। जिसका बजट 54 करोड़ महासभा में पारित कर काम को शुरू किया गया था। वर्ष 2016 अस्पताल के कामों में बजट की कमी बताई गई और उसका पूरा करने के लिए में 28 करोड की मांग की गई और इस निधि को महासभा में पारित करने में शिवसेना ने कभी हस्ताक्षेप नहीं किए और ना ही कभी इस बजट की ऊपर सवालिया निशान खड़ा किया गया है। वर्ष 2021 में इस सरकारी अस्पताल का बजट फर्नीचर के काम के लिए 68 करोड़ रुपए की निधि महासभा में शिवसेना की मिलीभगत से पारित किया गया। लेकिन वह अस्पताल 8 सालों में अभी तक बनकर तैयार नहीं हो पाया जो वर्क आर्डर 54 करोड़ में महासभा में पारित किया गया। उसका बजट 8 सालों में एनसीपी और शिवसेना की ताल मेलों से 150 करोड़ तक पहुंच गया इतनी निधि लगने के बावजूद भी अब तक एक सरकारी अस्पताल तैयार नहीं हुआ। उन्होंने कहा यह ठाणे कर और मुंब्रा की जनता का पैसा है जनता के पैसों का भ्रष्टाचार सत्ताधारी पार्टी द्वारा किया गया है। जबकि मुंब्रा क्षेत्र में सरकारी अस्पताल की सख्त जरूरत है और 8 सालों में सत्ताधारी पार्टी तैयार नहीं कर पाई। जबकि सत्ताधारी पार्टी के विरोधी पक्ष नेता ने अशरफ शानू पठान ने हाल ही में मनपा अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी द्वारा इस अस्पताल का जायजा लिया गया है और यह कहा गया यह अस्पताल 1 महीने के भीतर तैयार करके दे दिया जाएगा पूरा नहीं हुआ तो कम से कम तळ मंजिला शुरू कर दिया जाएगा। जबकि बीजेपी को सिर्फ एनसीपी की हवाई बातें नजर आ रही है और कुछ नहीं उन्होंने दावा किया है। यह अस्पताल 1 महीने के भीतर तैयार नहीं हो पाएगा उन्होंने खुलकर यह बात स्पष्ट कर दी है इसके अंदर एनसीपी और शिवसेना की मिलीभगत से भ्रष्टाचार किया गया है और उन्होंने अगाड़ी सरकार से मांग की है। सरकारी अस्पताल मैं मानपा प्रशासन के अधिकारी ने जो भ्रष्टाचार किया गया है उसकी गंभीर रूप से जांच होना चाहिए और इसके जिम्मेदार ठेकेदार अधिकारी पर जो भी इस भ्रष्टाचार के पीछे है उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अब देखना यह है उनके इस दौरे से क्या अगाड़ी सरकार इस भ्रष्टाचार का पदार्फाश करेगी क्या सरकारी अस्पताल का भ्रष्टाचार उजागर करने से आने वाले आगामी मनपा चुनाव में बीजेपी को फायदा होगा यह देखने वाली बात होगी।

मेकअप हटाने के लिए रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड का करें इस्तेमाल

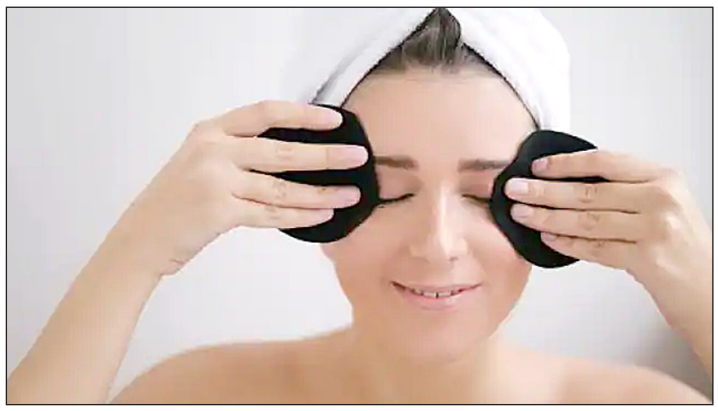

बचत के साथ मिलेंगे कई फायदे

अगर आप रोजाना मेकअप करती है और फिर उसे साफ करने के लिए कॉटन या फिर वाइप्स का इस्तेमाल करती हैं तो क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा करने से आप कितने रुपये खर्च कर देती हैं। प्राकृति के साथ साथ ये वाइप्स स्किन को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में इन दिनों बाजार में रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड बड़े ही आसानी से मिल रहे हैं। ये पैड्स बाजार में तरह-तरह की शेप के साथ मिल रहे हैं। रुपयों की बचत करने के लिए आप इस तरह के मेकअप रिमूवर पैड का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में जानते हैं कुछ कारणों के बारे में जिसकी वजह से ये साफ हो जाएगा की आखिर रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड आपके पास होना क्यों जरूरी हैं।

1) स्किन के लिए अच्छा है

माइक्रोफाइबर से बने ये रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड स्किन पर बहुत सॉफ्ट होते हैं। ये स्किन पर किसी भी तरह की परेशानी किए बिना ही मेकअप को साफ कर सकता है। साथ ही बाजार में मिलने वाले मेकअप रिमूवर कॉटन पैड में केमिकल होता है, जो आपकी स्किन को परेशान कर सकता है।

2) आंखों

आंखों का मेकअप साफ करने में कई लोगों को परेशानी होती है क्योंकि ये एक बार में साफ ही नहीं होता है। ऐसे में रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड को आसानी से आखों पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

3) बचत

एक मेकअप रिमूवर पैड अक बार ही इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि अगर आप रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड को खरीदती हैं तो आप इसे कई दिनों तक इसे धो कर इस्तेमाल कर सकती हैं। ये आपको काफी सस्ता पड़ेगा।

4) आसानी से कर सकते हैं इस्तेमाल

रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड में मौजूद माइक्रोफाइबर एक चुम्बक की तरह काम करते हैं। क्योंकि ये स्किन पर मौजूद मेकअप पार्टिकल को आसानी से निकाल लेते हैं। इसके इस्तेमाल से आप स्किन पर मौजूद मेकअप को एक ही बार में निकाल करते हैं।

5) पर्यावरण के लिए बेस्ट

ये रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड आपके रोजाना के कचरे को कम करता है। ऐसे में अगर आप इन पैड्स का इस्तेमाल करते हैं तो आपका मेकअप क्लीनिंग से होने वाला कचरा जीरो हो सकता है। वहीं रियूजेबल मेकअप रिमूवर पैड को आप एक हजार बार वॉश तक चला सकते हैं।

विशेषज्ञों का दावा

दवा-टीकों से एलर्जी रखने वालों के लिए भी कोरोना टीका सुरक्षित

क्या एलर्जी वाले लोगों को टीका लगाया जा सकता है? विशेषज्ञों का कहना है कि चिंता की कोई बात नहीं है। दवा-टीकों से एलर्जी रखने वालों के लिए भी कोरोना वैक्सीन सुरक्षित है। जामा जर्नल में प्रकाशित शोध के निष्कर्ष में विशेषज्ञों ने यह दावा किया है।

यह शोध रिपोर्ट टीकाकरण में मददगार साबित होगी। शोध के आंकड़ों से पता चलता है कि 98 फीसदी एलर्जी के मरीजों में फाइजर और मॉडर्ना के टीकों का दुष्प्रभाव नहीं दिखा। लगभग 12 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मी, जिन्हें दवाओं, टीकों या धूल से एलर्जी की समस्या है, ने कोविड-19 वैक्सीन की पहली या दूसरी खुराक से एलर्जी की प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा सबसे आम एलर्जी के लक्षण पित्ती और एंजियोएडेमा या इंजेक्शन वाली जगह के आसपास सूजन थी। हालांकि, उनमें से किसी को भी अस्पताल में इलाज की आवश्यकता नहीं थी।

अध्ययन के सह-लेखक डा. लिली ली ने कहा कि इस अध्ययन के परिणाम गंभीर एलर्जी वाले रोगियों की मदद कर सकते हैं। बोस्टान के ब्रिघम और महिला अस्पताल में एलर्जी संकाय सदस्य ली ने कहा कि अधिकांश मामलों में एलर्जी के लक्षणों ने मॉडर्ना टीके की दोनों खुराक लेने के बाद मरीज पर कोई दुष्प्रभाव नहीं डाला। पित्ती और सूजन जैसे लक्षण हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए अस्पताल में इलाज की आवश्यकता नहीं है।

52,998 स्वास्थ्य कर्मियों का आकलन किया

इस अध्ययन के लिए, ली और उनके सहयोगियों ने ब्रिघम और महिला स्वास्थ्य प्रणाली में 52,998 स्वास्थ्य कर्मियों के बीच एलर्जी के जोखिम का आकलन किया, जिनमें से सभी को कोविड-19 वैक्सीन की कम से कम एक खुराक दी गई। शोधकताओं ने कहा कि 60 प्रतिशत से अधिक स्टाफ सदस्यों को मॉडर्ना टीके की खुराक दी गई, जबकि बाकी को फाइजर-बायोएनटेक की खुराक दी गई।

हेयर फॉल से बचने के लिए कैसा हो आपका तेल?

जानें मसाज करने का तरीका

हम में से ज्यादातर लोग बालों में तेल लगाना पसंद नहीं करते। उन्हें लगता है कि बालों में तेल लगाने से बाल चिपचिपे लगने लगते हैं, लेकिन ऑयल मसाज के कई फायदे हैं। आप अगर दिन में तेल नहीं लगाना चाहते, तो रात में तेल लगाकर सो सकते हैं। सप्ताह में कम से कम एक बार तेल जरूर लगाएं। हेयर फॉल के लिए बालों में तेल न लगाना भी एक बड़ा कारण है।

हेयर ऑयल लगाने का तरीका

बालों में ऑयल मसाज करने से पहले बालों को अच्छी तरह सुलझा लें। अब जड़ों में तेल को लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। जड़ों के साथ बालों की लेंथ में तेल लगाना न भूलें। बालों में कम से कम 2-3 घंटे तक ऑयल लगा रहने दें।

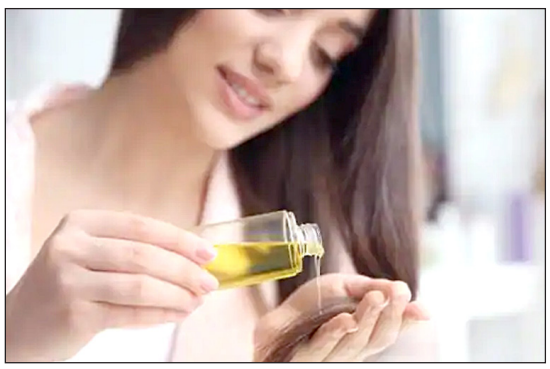

कैसा हो आपका हेयर ऑयल

आपके बालों के लिए कोकोनट ऑयल, ऑलिव ऑयल, कैस्टर ऑयल अच्छे होते हैं क्योंकि यह पोषक से भरपूर होते हैं लेकिन अगर आप बालों को हेयर फॉल से बचाना चाहते हैं, तो आप सरसों का तेल, नारियल का तेल, ऑलिव ऑयल और तिल के तेल को एक साथ कटोरी में लेकर थोड़ा गर्म कर लें। गर्म करते हुए आपको ध्यान रखना है कि इसे सीधे आग के सामने न रखें बल्कि इसे गर्म करने के लिए डबल बॉयलर का इस्तेमाल करें। आपको एक बड़े बर्तन में थोड़ा पानी रखना है, अब इसमें होल्डर की मदद से तेल वाली कटोरी को रख लें। पानी की स्टीम से कटोरी में रखा तेल गर्म हो जाएगा। अब इसे निकाल लें और हथेलियों पर लेकर बालों में तेल लगाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

HERITAGE BUILDERS & DEVELOPERS
CORDIALLY INVITES YOU ON LAUNCH OF OUR PROJECT
Mariyam Heritage

Mariyam Heritage
vasai (E)

AMENITIES

- WELL PLANNED 1 BHK & 2 BHK APARTMENTS
- LIFESTYLE AMENITIES DESIGNED FOR ALL AGE GROUP
- PROJECT APPROVED BY LEADING FINANCIAL INSTITUTIONS
- CONSTRUCTION WORK IN FULL SWING
- SAMPLE FLAT READY.

BOOK YOUR DREAM HOME WITH 1.76 LACS* ONWARDS AND REST ON POSSESSION.

OFFER VALID FOR LIMITED FLATS*

CALL : 8291669848

SITE ADD: MARIYAM HERITAGE, NEXT TO SANIYA CITY, BEHIND SHALIMAR HOTEL, WALIV, VASAI ROAD (EAST).